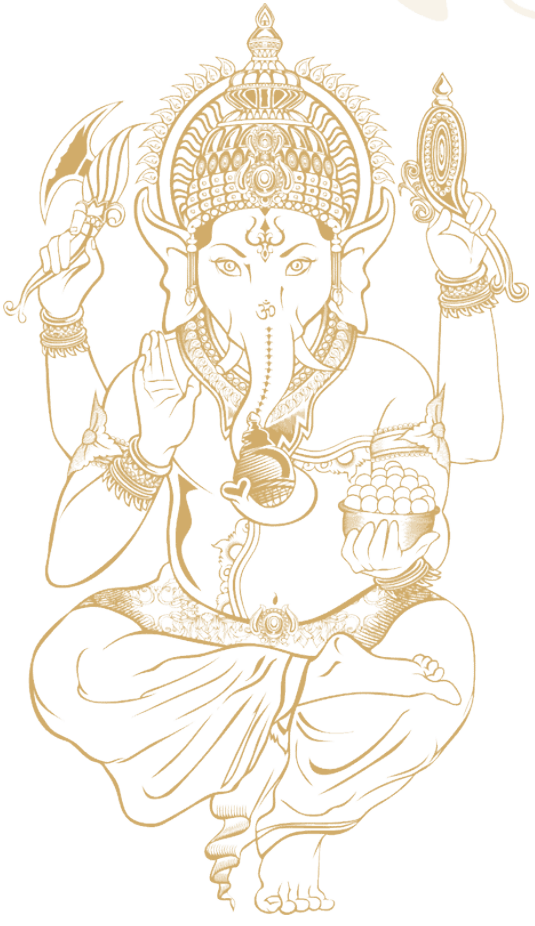

Ashutosh Agrawal

Jaya Agrawal

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121779209

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
3-04/02/2001	जन्म तिथि	26/09/2001
शनि-रविवार	दिन	बुधवार
घंटे 01:20:11	जन्म समय	15:50:00 घंटे
घटी 46:20:36	जन्म समय(घटी)	24:20:14 घटी
India	देश	India
Hyderabad	स्थान	Hyderabad
17:22:00 उत्तर	अक्षांश	17:22:00 उत्तर
78:26:00 पूर्व	रेखांश	78:26:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:16:16	स्थानिक संस्कार	-00:16:16 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:47:56	सूर्योदय	06:05:54
18:12:55	सूर्यास्त	18:09:05
23:52:05	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:35

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
चन्द्र 2वर्ष 11मा 26दि	02:12:19	वृश्चि	लग्न	मक	27:55:17	सूर्य 3वर्ष 5मा 22दि
राहु	21:11:21	मक	सूर्य	कन्या	09:31:19	राहु
31/01/2011	19:20:52	वृष	चंद्र	मक	02:16:12	20/03/2022
31/01/2029	00:14:42	वृश्चि	मंगल	धनु	15:56:46	19/03/2040
राहु 13/10/2013	06:49:15	कुंभ	बुध	तुला	04:19:14	राहु 30/11/2024
गुरु 08/03/2016	07:28:23	वृष	गुरु	मिथु	19:38:21	गुरु 26/04/2027
शनि 13/01/2019	07:00:42	मीन	शुक्र	सिंह	12:38:43	शनि 02/03/2030
बुध 01/08/2021	00:16:57	वृष	शनि	वृष	21:05:34	बुध 18/09/2032
केतु 20/08/2022	21:20:02	मिथु	राहु व	मिथु	08:00:01	केतु 07/10/2033
शुक्र 19/08/2025	21:20:02	धनु	केतु व	धनु	08:00:01	शुक्र 06/10/2036
सूर्य 14/07/2026	26:37:11	मक	हर्ष व	मक	27:30:31	सूर्य 31/08/2037
चन्द्र 13/01/2028	12:43:11	मक	नेप व	मक	12:14:35	चन्द्र 02/03/2039
मंगल 31/01/2029	20:54:43	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	18:58:26	मंगल 19/03/2040

लग्न-चलित

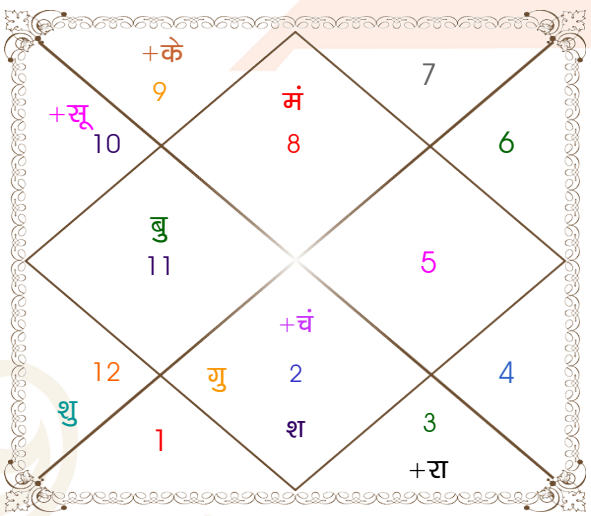

लग्न-चलित

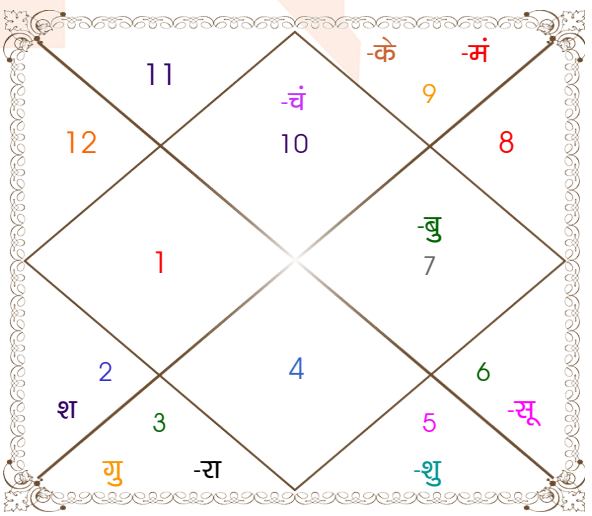

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सर्प	नकुल	4	0.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	मकर	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	17.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि ौीनजवी ।हतूंस का नक्षत्र रोहिणी है।

ौीनजवी ।हतूंस का वर्ग मृग है तथा श्रंलं ।हतूंस का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ौीनजवी ।हतूंस और श्रंलं ।हतूंस का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

ौीनजवी ।हतूंस मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल ौीनजवी ।हतूंस कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

श्रंलं ।हतूंस मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल श्रंलं ।हतूंस कि कुण्डली में द्वादश भाव में धनु राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु श्रंलं ।हतूंस कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ीनजवी ।हतूंस तथा श्रंलं ।हतूंस में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।